जब हृदय में आनंद आने लगे तो समझ लेना नंद का उत्सव है : वंदनाश्री

कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का कलाकार ने सजीव चित्रण किया।

पत्रिका फोटो स्टोरी

देवास @ पत्रिका. अभाव में भी ईश्वर के प्रति भाव में विभक्ति न हो, अव्यवस्था में भी सुख और प्रसन्नता दिखे व जहां पर देह का अभिमान नहीं उपज रहा हो समझ लेना वहां आनंद है। ठाकुरजी तो प्रेमी लोगों के भाव के भूखे हैं। जिस प्रेम में भक्ति की रसधारा बहने लगती है वह आनंद है। हृदय में आनंद आने लगे तो समझ लेना नंद का उत्सव है। यह बात कैलादेवी मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के पांचवें दिन नंद के घर आनंद का वर्णन करते हुए वंदनाश्री ने कही। श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए आपने कृष्ण की माखन चोरी, दही-मटकी फोड़ना, पूतना का वध, कालिया नाग मर्दन, यशोदा के वात्सल्य भाव का चित्रण किया। कलाकारों ने अभिनय के माध्यम से श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कथा में बतौर अतिथि इंदौर विधायक रमेश मेंदोला, समाजसेवी राधेश्याम खेनी, पूर्व महापौर रेखा वर्मा, पार्षद अकीला अजबसिंह ठाकुर, ओपी तापड़िया, राजेश यादव, नवीन सोलंकी, सुमेरसिंह दरबार, रामअवतार मिश्रा, अखिलेश सेंगर उपस्थित थे। व्यास पीठ की पूजा दीपक गर्ग, अनामिका गर्ग व परिवार ने की। विधायक मेंदोला का स्वागत कैलादेवी पारमार्थिक ट्रस्ट के अध्यक्ष योगेश बंसल ने किया। संचालन चेतन उपाध्याय ने किया।